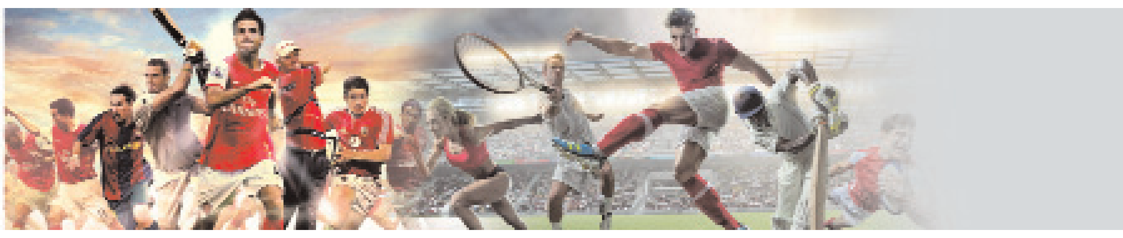

स्टार्क ने अंग्रेजों को झकझोरा

स्टार्क की आग, लेकिन जो रूट ने गाबा में रचा इतिहास

ब्रिस्बेन, 4 दिसंबर के गाबा मैदान पर शुरू हुए एशेज के दूसरे टेस्ट में गुरुवार का पहला दिन बिल्कुल वैसा ही निकला जैसी इस प्रतिष्ठित सीरीज़ से उम्मीद रहती है—ड्रामा, उतार-चढ़ाव, टॉप क्लास गेंदबाज़ी और विश्वस्तरीय बल्लेबाज़ी का मिश्रण।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाज़ी चुनी, लेकिन शुरुआत ऐसी रही जिसने ड्रेसिंग रूम से लेकर दर्शक दीर्घा तक सबको सन्न कर दिया। मिचेल स्टार्क ने पिंक-बॉल टेस्ट की दमक में पहली ही गेंद से इंग्लिश टॉप-ऑर्डर पर हमला बोल दिया और महज़ पाँच रन के भीतर दो विकेट उखाड़कर इंग्लैंड को बैकफुट पर ढकेल दिया। लेकिन जिस अंदाज में जो रूट और जैक क्रॉली ने पारी को सँभाला और जिसकी क्लाइमैक्स में रूट के पहले ऑस्ट्रेलिया शतक का दृश्य शामिल था, वह पूरे दिन की कहानी बदल देने वाला साबित हुआ।

एशेज टेस्ट
- रूट ने कंगारू जमीन पर खत्म किया 9 पारियों का शतक सूखा
- इंग्लैंड ने पहले दिन 9 विकेट पर 325 रन बनाकर बढ़त पकड़ी

इंग्लैंड ने 325/9 का जो मजबूत स्कोर पहले दिन के अंत तक खड़ा किया, वह पूरी तरह रूट की क्लास, धैर्य और अद्भुत शॉट सिलेक्शन का नतीजा था। 202 गेंदों पर नाबाद 135 रन, जिसमें 15 चौके और एक छक्का शामिल रहा—यह पारी सिर्फ़ एक शतक नहीं, बल्कि एक 'स्टेटमेंट' थी। ऑस्ट्रेलिया में नौ अर्धशतकों के बाद आखिरकार रूट ने इस लंबे इंतज़ार को खत्म किया और वह भी ऐसे समय जब इंग्लैंड की पारी बार-बार टूटती हुई नज़र आ रही थी। पहले विकेट के बाद डकेट और फिर ऑली पोप के रूप में स्टार्क ने जो झटके दिए, उन्होंने इंग्लैंड को 5/2 पर पहुँचा दिया था। लेकिन यहाँ से रूट और जैक क्रॉली ने जो 117 रन की साझेदारी की, उसने मैच को संतुलन पर ला दिया। क्रॉली ने ऑफ़ स्टंप के बाहर मिलने वाली चौड़ी गेंदों पर बेफिक्र होकर ड्राइव किए और पैरों का काम इतना सहज था कि 93 गेंदों की उनकी 76 रन की इनिंग एकदम 'टेक्स्टबुक' लग रही थी।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुंबई की पहली हार

सैमसन-विष्णु-शराफ़ुद्दीन की बल्लेबाज़ी और आसिफ की तूफ़ानी गेंदबाज़ी ने मुंबई की जीत की लय तोड़ी

लखनऊ, 4 दिसंबर. लखनऊ के इकाना स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एलीट ग्रुप-ए मुकाबले में केरल ने मौजूदा चैंपियन मुंबई पर 15 रनों से रोमांचक और अप्रत्याशित जीत दर्ज करके टूर्नामेंट की तस्वीर ही बदल दी।

यह न सिर्फ़ मुंबई की इस सीज़न की पहली हार थी, बल्कि एक ऐसी शिकस्त भी साबित हुई जिसने दिखा दिया कि घरेलू टी-20 क्रिकेट में किसी भी टीम को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। केरल की जीत दो हिस्सों में बंटी—ऊपर से मिली ठोस बल्लेबाज़ी की नींव और नीचे से केएम आसिफ के नेतृत्व में गेंदबाज़ों का धुआंधार प्रदर्शन जिसने आखिरी ओवरों में पूरी मुंबई की बल्लेबाज़ी को उधेड़कर रख दिया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए केरल ने निर्धारित 20 ओवरों में 178 रन बनाए। टीम की शुरुआत सधी रही और कप्तान संजू सैमसन तथा रोहन कुन्नुमल ने पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़कर पॉजिटिव मोमेंटम सेट कर दिया। 179 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की शुरुआत वैसी नहीं रही जैसी इतनी स्थिर और अनुभवी टीम से उम्मीद होती है। मध्यक्रम में सूर्यकुमार यादव ने 25 गेंदों पर 32 रन बनाकर पारी को आगे बढ़ाया। 17.1 ओवर में जब मुंबई का स्कोर 148/5 था, तो मैच लगभग उनके कंट्रोल में ही दिख रहा था। लेकिन यहीं से कहानी पलटी—और इस पलटाव के मुख्य किरदार बने केएम आसिफ। आसिफ ने डेथ ओवरों में महज़ 24 रन देकर पाँच विकेट चटका दिए और मुंबई का निचला क्रम एकदम से दबाव में आ गया। देखते ही देखते मुंबई के आखिरी पाँच विकेट सिर्फ़ 15 रन जोड़कर गिर गए और पूरी टीम 19.5 ओवर में सिमटकर मैच 15 रनों से हार गई। इस प्रदर्शन ने न सिर्फ़ आसिफ को मैच का हीरो बनाया, बल्कि टूर्नामेंट में उन्हें एक गंभीर स्ट्राइक-बॉलर की पहचान भी दिलाई।

- केएम आसिफ के 5 विकेट बने मैच का टर्निंग पॉइंट
- केरल ने आख़िरी तीन ओवरों में जीत छीनी

असम और यूपी ने भी दर्ज की महत्वपूर्ण जीत

असम ने विदर्भ को 58 रनों से हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। अब्दुल अजीज कुरैशी (57) और निहार डेका (52) की अर्धशतकीय पारियों से असम ने 175 रन बनाए। जवाब में विदर्भ की पूरी टीम 117 पर ढेर हो गई। आकाश सेनगुप्ता और मुख़्तार हुसैन ने तीन-तीन विकेट लेकर विपक्षी बल्लेबाज़ों को टिकने नहीं दिया। उधर, उत्तर प्रदेश ने चंडीगढ़ को 40 रनों से हराते हुए दिन का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। समीर रिज़वी की 42 गेंदों में 70 रनों की विस्फोटक पारी और माधव कौशिक के 67 रन की बदौलत यूपी ने 212 का विशाल स्कोर खड़ा किया। चंडीगढ़ के मनन वोहरा (61) ने कुछ देर मुकाबला जीवित रखा, लेकिन टीम 172 तक ही पहुंच सकी। यूपी के भुवनेश्वर कुमार ने तीन विकेट लेकर अनुभव का प्रभाव फिर दिखाया।

दिल्ली ने कर्नाटक को 45 रन से हराया

अहमदाबाद. प्रियांश आर्य (62), आयुष बदोनी (53/चार विकेट), तेजस्वी दहिया (नाबाद 53) और कप्तान नीतीश राणा (46) के शानदार प्रदर्शन के दम पर दिल्ली ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले में गुरुवार को कर्नाटक को 45 रनों से हरा दिया। 233 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कर्नाटक 19.3 ओवर में 187 के स्कोर पर ढ़ेर हो गई। कर्नाटक के लिए आर स्मरण ने 38 गेंदों में 72 रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में छह छक्के और तीन चौके लगाये। देवदत्त पड़िक्कल ने 38 गेंदों में दो छक्के और आठ चौके लगाते हुए 62 रन बनाये। विद्याधर पाटिल (11) और प्रवीण दुबे (10) रन बनाकर आउट हुये। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सके। दिल्ली के लिए आयुष बदोनी ने 12 रन देकर चार विकेट लिये। इशांत शर्मा, प्रिंस यादव और दिग्वेश राठी को दो-दो विकेट मिले।

बंगाल ने सर्विसेज को हराया

बंगाल ने मोहम्मद शमी (चार विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन से सर्विसेज को सात विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी सर्विसेज को मोहम्मद समी (चार विकेट), आकाश दीप (तीन विकेट) और ऋतिक चटर्जी (दो विकेट) के दम पर बंगाल ने 18.2 ओवरों में 165 रनों पर रोक दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी बंगाल के लिए अभिमन्यु ईश्वरन गेंदों में 58, अभिषेक पोरेल 29 गेंदों में 56 और युवराज केसवानी 19 गेंदों में नाबाद 36 रनों की पारी के दम पर 15.1 ओवर में तीन विकेट खोकर 167 रन बनाकर जीत दर्ज की।

गोवा ने बिहार को पांच विकेट से हराया

बिहार ने पहले बल्लेबाजी करते हुए वैभव सूर्यवंशी 25 गेंदों में (45), कप्तान सकीबुल गनी 41 गेंदों में (60), आकाश राज 31 गेंदों में 40 रन और आयुष लोहारुका (17) के योगदान से निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 180 रनों का स्कोर खड़ा किया। गोवा के लिए दीपराज गांवकर ने चार विकेट लिये। अर्जुन तेंदुलकर को दो और वासुकी कौशिक को एक विकेट मिला। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी गोवा की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में 10 के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिये। कप्तान सुयश प्रभुदेसाई ने कश्यप बखाले के साथ तीसरे विकेट के लिए 142 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम की जीत की नींव रखी। 16वें ओवर में सूरज कश्यप ने कश्यप बखाले 49 गेंदों में 64 रन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा।

एक नजर में

14 दिसंबर से शुरू होगी बंगाल सुपर लीग

कोलकाता. बंगाल सुपर लीग (बीएसएल) 14 दिसंबर को ऑफिशियली शुरू होने के साथ ही बंगाल के फुटबॉल के माहौल में एक नया चैप्टर शुरू करने के लिए तैयार है, जो अपने साथ कॉम्पिटिशन और कम्युनिटी एंगेजमेंट की एक नई भावना लेकर आएगा। श्रची स्पोर्ट्स की लीडरशिप में, इस लीग का मकसद राज्य भर में उभरते हुए एथलीटों के लिए एक हाई-कैलिबर प्लेटफॉर्म देकर ग्रासरूट और सेमी-प्रोफेशनल फुटबॉल को ऊपर उठाना है। बंगाल के स्पोर्टिंग इकोसिस्टम को मजबूत करने के विजन के साथ, बंगाल सुपर लीग हाई-इंटेंसिटी मैच, उभरते हुए टैलेंट और एक शानदार माहौल का वादा करती है जो खूबसूरत खेल के लिए बंगाल के गहरे जुनून का जश्न मनाता है। श्राची स्पोर्ट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल टोडी ने कहा, 'बंगाल सुपर लीग सिर्फ़ एक टूर्नामेंट नहीं है; यह एक मूवमेंट है। हमारा मकसद बंगाल के असाधारण फुटबॉल टैलेंट को सामने लाना और एक वर्ल्ड-क्लास प्लेटफ़ॉर्म बनाना है जहाँ लोकल हीरो आगे बढ़ सकें, प्रेरणा दे सकें और हमारे राज्य में इस खेल के भविष्य को फिर से तय कर सकें। पहला सीजन ऑफिशियली 14 दिसंबर को डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन स्टेडियम, मालदा में शाम 4 बजे से शुरू होगा, जिसमें लीग के पहले एडिशन के लिए बनाई गई नई टीमों की एक नई और उम्मीद जगाने वाली लाइनअप होगी।

युवराज संधू ने तीन शॉट की बढ़त बनाई

जयपुर. पीजीटीआई रैंकिंग लीडर युवराज संधू ने जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब में खेले जा रहे 1 करोड़ रुपये के इवेंट, विक्टोरियस चॉइस प्रेजेंट्स जयपुर ओपन 2025 पावर्ड बाय शुभाशीष होम्स के तीसरे राउंड में गुरूवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए चार-अंडर 66 का कार्ड खेलकर कुल 16-अंडर 194 के स्कोर के साथ तीन शॉट की बढ़त बना ली। युवराज संधू (65-63-66), जो तीसरे राउंड की शुरुआत में दूसरे स्थान पर थे और लीड से एक शॉट पीछे थे, ने अपने 66 के स्कोर के दौरान एक ईगल, चार बर्डी और दो बोगी लगाए और पेनल्टीमेट राउंड में बढ़त बना ली। चंडीगढ़ के गोल्फर युवराज, जो चार साल बाद जयपुर में खेल रहे हैं, अब इस सीजन में अपने छठे पीजीटीआई खिताब की तलाश में हैं। अगर युवराज 2025 में अपनी छठी जीत हासिल करते हैं, तो वह 2022 में मनु गंडास द्वारा बनाए गए एक सीजन में सबसे ज़्यादा खिताब जीतने के पीजीटीआई रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। कुशाल सिंह (64-63-70), जो हाफवे लीडर थे और एक शॉट से आगे थे, का दिन मिला-जुला रहा, उन्होंने 70 का स्कोर किया जिसमें चार बर्डी और दो डबल-बोगी शामिल थे, जिससे वह 13-अंडर 197 के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए।

शिंटोमन ने110 मी. हर्डल्स का रिकॉर्ड तोड़ा

जयपुर. जब बुधवार को सीबी शिंटोमन खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 में पुरुषों के 110मी हर्डल्स फाइनल के लिए लाइन में खड़े हुए, तो स्टैंड में बैठे कुछ ही लोगों ने अंदाज़ा लगाया होगा कि वह एथलेटिक्स में कितनी देर से आए हैं या उनका सफर कितना मुश्किल रहा है। 2021 तक, उन्होंने कभी सिंथेटिक ट्रैक पर कदम नहीं रखा था। उनकी ज़िंदगी पढ़ाई, लोकल स्कूल फुटबॉल मैचों और केरल के इडुक्की ज़िले के एराट्टायर गांव के पास इलायची के बागानों में छुट्टियों के दौरान कभी-कभी मजदूरी करने के इर्द-गिर्द घूमती थी। लेकिन एक फुटबॉल गेम के दौरान एक मौके ने सब कुछ बदल दिया। केरल स्पोर्ट्स काउंसिल एकेडमी के कोच बैजू जोसेफ ने उनके मजबूत शरीर और जबरदस्त फिजिकल पोटेंशियल को देखा। यह यकीन होने पर कि यह युवा एथलेटिक्स के लिए ही बना है, बैजू ने उन्हें 400मी और हाई जंप आजमाने के लिए राज़ी किया। इन प्रयोगों से आखिरकार ह उस इवेंट तक पहुंचे जहां वह सच में फिट बैठते थे, 110मी हर्डल्स। सिर्फ़ दो सालों में, इस युवा ने जबरदस्त तरक्की की। बुधवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में, 23 साल के इस खिलाड़ी ने मीट रिकॉर्ड तोड़कर अपनी तेजी से बढ़ती सफलता को साबित किया, उन्होंने 14.32 सेकंड में दौड़ पूरी करके महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी के लिए गोल्ड जीता। उनकी दौड़ एक रोमांचक फिनिश के साथ खत्म हुई, जिसमें शिवाजी यूनिवर्सिटी के विकास आनंदा खोडके (14.516) और यूनिवर्सिटी ऑफ़ कालीकट के राहिल साकीर वीपी (14.518) के बीच सिर्फ़ कुछ हज़ारवें सेकंड का फ़ासला था। जीत के तुरंत बाद शिंटोमन ने साई मीडिया को बताया, 'यह मेरा पहला खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स गोल्ड था, और मुकाबला काफी कड़ा था।'

आशीष लिमाये ने जीता गोल्ड

भारत ने पांच मेडल के साथ अभियान खत्म किया

पटाया, 4 दिसंबर भारत ने बुधवार को थाईलैंड के पटाया में एफईआई एशियन घुड़सवारी चैंपियनशिप 2025 में ऐतिहासिक पांच मेडल जीतकर अपना अभियान खत्म किया। भारतीय राइडर्स ने इवेंटिंग और ड्रेसेज प्रतियोगिताओं में अपनी छाप छोड़ी।आशीष लिमाये ने इवेंटिंग में इंडिविजुअल गोल्ड मेडल जीतकर टीम का नेतृत्व किया।

- एफईआई एशियन घुड़सवारी चैम्पियनशिप 2025

उन्होंने शशांक सिंह कटारिया और शशांक कनमुरी के साथ मिलकर इसी डिसिप्लिन में भारत को टीम सिल्वर दिलाने में भी मदद की। आशीष लिमाये ने साई मीडिया से कहा, 'यह हमारे लिए बहुत इमोशनल जीत थी क्योंकि पिछले एशियन गेम्स हमारे लिए अच्छे नहीं रहे थे। इसलिए, मुझे लगता है कि यह एक बहुत बड़ी वापसी जैसा एहसास था और एक बड़ी राहत थी।' लिमाये ने आगे कहा, 'मेरा घोड़ा 'विली बी डन' 13 साल का एंग्लो-यूरोपियन है। मुझे लगता है कि उसके बिना यह गोल्ड जीतना नामुमकिन होता क्योंकि उसने सच में हमारे लिए बहुत मेहनत की और वह हमेशा यहां आने के लिए 100 प्रतिशत दे रहा था। मुझे लगता है कि उसे पता था कि हम एक चैंपियनशिप में हैं और वह सच में अलग और खास था!' ड्रेसेज में, श्रुति वोरा ने तीन सिल्वर मेडल जीते.उन्होंने दिव्याकृति सिंह और गौरव पुंडीर के साथ मिलकर टीम बनाई और पोडियम फिनिश हासिल किया। फेडरेशन इक्वेस्ट्रियन इंटरनेशनेल द्वारा आयोजित, एशियन घुड़सवारी चैंपियनशिप एक कॉन्टिनेंटल इवेंट है जिसमें कई डिसिप्लिन में टॉप राइडर्स हिस्सा लेते हैं।

भारतीय पदक विजेता
- आशीष लिमाये - व्यक्तिगत इवेंटिंग में स्वर्ण पदक
- आशीष लिमाये, शशांक सिंह कटारिया, शशांक कनमूरी - टीम इवेंटिंग में रजत पदक
- श्रुति वोरा - व्यक्तिगत ड्रेसेज में रजत पदक
- श्रुति वोरा - ड्रेसेज इंटरमीडिएट फ्रीस्टाइल-द्व में रजत पदक
- श्रुति वोरा, दिव्याकृति सिंह, गौरव पुंडीर - टीम ड्रेसेज में रजत पदक

भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम हारी

सैंटियागो (चिली), 4 दिसंबर महिला एफआईएच हॉकी जूनियर विश्वकप 2025 के अपने दूसरे पूल सी मुकाबले में भारत को जर्मनी के हाथों 3-1 से हार का सामना करना पड़ा।

सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड, एस्टाडियो नैशनल में बुधवार को खेले गये मुकाबले में भारतीय जूनियर महिला टीम की ओर से एकमात्र गोल हिना बानो ने (58वें) मिनट में किया। जबकि जर्मनी के लिए लीना फ्रेरिक्स ने (पांचवें) मिनट, एनिका शॉनहॉफ ने (52वें) मिनट और मार्टिना रीसेनेगर ने (59वें) मिनट में गोल किए। जर्मनी ने मैदान में ऊपर से दबाव बनाते हुए, शुरुआती मौकों पर भारत को बैकफुट पर धकेला और पांचवें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक हासिल किया। लीना फ्रेरिक्स ने (पांचवें) मिनट में बिना कोई गलती गोल दागकर अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी।

- महिला एफआईएच जूनियर विश्व कप में जर्मनी ने 3-1 से हराया

जर्मनी करेगा महिला यूरो 2029 की मेजबानी

बर्लिन, 4 दिसंबर यूरोपीय फुटबॉल संघ ने घोषणा की है कि जर्मनी यूईएफए महिला यूरो 2029 की मेजबानी करेगा। डेनमार्क तथा स्वीडन की संयुक्त बोली से पहले जर्मनी ने मेजबानी के अधिकार जीते। यूईएफए के अध्यक्ष अलेक्जेंडर सेफरिनने कहा, 'मैं पूरी प्रोसेस के दौरान उनकी बिना थके मेहनत और कमिटमेंट के लिए तीनों बोली लगाने वाले देशों का दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। हर बिड ने नेशनल एसोसिएशन, सरकारों और लोकल एक्सपर्ट्स के बीच विजन और बेहतरीन टीमवर्क दिखाया, जो सभी पिछली गर्मियों में स्विट्जरलैंड द्वारा सेट किए गए बेंचमार्क से प्रभावित थे। उन्होंने कहा, 'जर्मनी को बधाई - हम 2029 की गर्मियों में एक यादगार टूर्नामेंट का इंतजार कर रहे हैं।'

न्यूजीलैंड ने विंडीज पर कसा शिकंजा

टॉम लेथम और रचिन रविंद्र ने लगाए शतक

क्राइस्टचर्च (न्यूजीलैंड), 4 दिसंबर कप्तान टॉम लेथम (145) और रचिन रविंद्र (176) की शतकीय पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन गुरुवार को दूसरी पारी में स्टंप्स के समय चार विकेट पर 417 रन बना लिये है और उसने कुल 481 रनों की बढ़त के साथ मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है।

आज सुबह यहां न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में कल के बिना कोई विकेट खोये 32 रनों के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। न्यूजीलैंड को पहला झटका ओजय शील्ड्स ने 27वें ओवर में डेवोन कॉन्वे (37) को आउटकर दिया। इसके बाद 33वें ओवर में केमार रोच ने केन विलियमसन (नौ) का शिकार कर लिया। उस समय टीम का स्कोर 100 रन था, ऐसे संकट के समय बल्लेबाजी करने आये रचिन रविंद्र ने टॉम लेथम के साथ तीसरे विकेट के लिए 279 रनों की विशाल साझेदारी कर टीम को बड़े स्कोर की ओर अग्रसर किया। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने वेस्टइंडीज के गेंदबाजों की खूब खबर ली और अपने-अपने शतक पूरे किये। 88वें ओवर में केमार रोच ने टॉम लेथम को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। टॉम लेथम ने 250 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 145 रनों की जुझारू पारी खेली। इसके बाद दिन का खेल समाप्त होने से कुछ देर पहले ओजय शील्ड्स ने दूसरे शतक की ओर बढ़ रहे रचिन रविंद्र को बोल्डकर वेस्टइंडीज को चौथी सफलता दिलाई।

सुनील गावस्कर बोले विराट कोहली की सेंचुरी शुद्ध क्लास और टीम-फर्स्ट एप्रोच का उदाहरण।

गीली गेंद ने भारत को पूरे मैच में पीछे धकेला

रायपुर में खेले गए दूसरे वनडे ने एक बात साफ कर दी—कभी-कभी मैच का असली टर्निंग पॉइंट किसी बल्लेबाज़ की शतक, गेंदबाज़ के स्पेल या आखिरी ओवर के ड्रामा में नहीं, बल्कि बिल्कुल शुरुआत में लिए गए एक फैसले में छिपा होता है।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत के 350+ स्कोर का पीछा करते हुए चार विकेट से जीत दर्ज की, लेकिन मैच के बाद चर्चा इस बात की नहीं थी कि कौन सा शॉट कितना बेहतरीन था या कौन सी गेंद सबसे ज्यादा घातक रही। सुर्खियाँ थीं—सुनील गावस्कर का बयान कि 'रायपुर में टॉस ने बहुत बड़ा फर्क पैदा किया।' यह टिप्पणी जितनी साधारण लगती है, उतना ही गहरा असर वह मैच के पूरे नैरेटिव पर छोड़ती है। भारत ने टॉस हारा और पहले बल्लेबाज़ी करने उतरा। विराट कोहली (सेंचुरी) और रुतुराज गायकवाड़ (सेंचुरी) की शानदार पारियों के बावजूद जीत हाथ से निकल गई। आमतौर पर 350+ स्कोर को वनडे में सुरक्षित माना जाता है, लेकिन रायपुर के गीले आउटफ़ील्ड और रात के समय गेंद पर लगने वाली नमी ने भारतीय गेंदबाज़ों को लगातार परेशान किया। जियोस्टार के 'क्रिकेट लाइव' शो में गावस्कर ने इस मैच को कई कोणों से परखा—मार्करम की टेम्परामेंट वाली पारी, कोहली की क्लासिकल शतक, और सबसे बढ़कर गीली गेंद की वजह से भारत की रणनीति पर पड़े असर का विश्लेषण किया। मार्करम की पारी पर गावस्कर की नज़र सुनील गावस्कर ने एडेन मार्करम की पारी की तारीफ़ जिस तहे दिल से की, वह साफ दिखाता है कि यह सिर्फ़ एक अच्छी पारी नहीं थी—यह एक मुश्किल हालात में खेला गया मास्टरक्लास था।

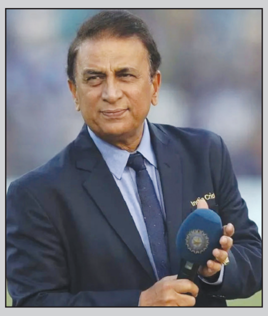

गेंद साबुन की टिकिया जैसी फिसल रही थी

गावस्कर ने कहा कि रायपुर की आउटफ़ील्ड पहले ही ओवरों से छोड़कर लगभग हर समय गीली थी। बॉलिंग करते समय गेंद साबुन की टिकिया जैसी फिसल रही थी—इसे पकड़ना, उसे ग्रिप करना और सीम पोज़िशन बनाए रखना लगभग नामुमकिन था। बॉलर के साथ-साथ फील्डर्स भी मुश्किल में थे—तेज़ थ्रो फिसल रहे थे, रिटर्न धीमे पड़ रहे थे, और आउटफ़ील्ड पर रुकते या फिसलते समय फील्डिंग निर्णय लेने में देरी हो रही थी। भारत ने जब डिफेंड करने के लिए गेंदबाज़ी की, तब ये सारी तकनीकी दिक्कतें उनके खिलाफ़ खड़ी हो गईं। गावस्कर ने बिल्कुल साफ शब्दों में कहा कि इंडियन कंडीशंस में अगर आप टॉस जीतते हैं, तो आपको पहले गेंदबाज़ी करके इस गीली गेंद वाली स्थिति से बचना चाहिए। उनकी बात सिर्फ़ रायपुर के मैच की कहानी नहीं बताती, बल्कि बड़े संदर्भ में यह ध्यान दिलाती है कि सफेद गेंद क्रिकेट में रात की नमी कितनी निर्णायक हो सकती है। कोहली की पारी—क्लासिक, नियंत्रित और पूरी तरह भरोसेमंद भले ही भारत हार गया, लेकिन बल्लेबाज़ी में सबसे चमकदार हिस्सा था विराट कोहली की शतक। गावस्कर ने कहा कि 'किसी भी समय ऐसा नहीं लगा कि वह शतक नहीं बनाएंगे।' पहली गेंद से ही उनका टाइमिंग और टेम्परामेंट वैसा ही दिख रहा था जैसा रांची में उनके पिछले शतक के दौरान था।